समाजसेवा हमारे खून में, सेवा करते हुए ही होते हैं बड़े : शरणजीत कौर

महिला विश्वविद्यालय में12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का शुभारंभ

गोहाना मुद्रिका न्यूज , 24 अक्तूबर :

समाज कार्य हम भारतीयों के खून में है, हम बचपन से ही सेवा के कार्य करते हुए बड़े होते हैं। खुद को समाजसेवी कहना आसान है, लेकिन वास्तविक समाज कार्य करना अत्यंत मुश्किल है। गुरुवार को यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ शरणजीत कौर ने बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना चाहें तो सभी द्वार खुल जाते हैं और व्यवस्था बन जाती है, जरूरत है तो सिर्फ लक्ष्य निर्धारित कर उस पर पूरी मेहनत से काम करने की।

शरणजीत कौर महिला विश्वविद्यालय में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का शुभारंभ कर रही थीं। महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ डॉ शरणजीत कौर ने वी.सी. प्रो सुदेश के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य का योगदान' है।

डॉ. शरणजीत कौर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज कार्य की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने समाज कार्य के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि बेचारगी से विकास संभव नहीं है। हमें चैरिटी को छोड़ते हुए अपना दायरा विस्तृत करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने परिवार, बच्चों व समाज के लिए एक मिसाल हैं। डॉ शरणजीत कौर ने डिसेबिलिटी के क्षेत्र में समाज कार्य की भूमिका पर एक गहन चिंतन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें डिसेबिलिटी को स्वीकारते हुए मूल व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा।

जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रो. नीलम शुक्रमणि ने वास्तविक सशक्तिकरण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के बावजूद भी अधिकांश महिलाएं जीवन की दिशा निर्धारण के फैसले अकेले नहीं ले पाती, इस पर मंथन की आवश्यकता है। एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो आर.पी. त्रिवेदी ने अपनी एसोसिएशन के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सम्मानित अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

पंजाब केसरी
FRI,25 OCTOBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

समाज सेवा हमारे खून में, सेवा करते हुए ही होते हैं बड़े : शरणजीत कौर

■ महिला विश्वविद्यालय में 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रैंस-2024 का शुभारंभ

इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रैंस का विमोचन करते हुए अतिथिगण। (अरोड़ा)

गोहाना, 24 अक्तूबर (अरोड़ा): समाज कार्य हम भारतीयों के खून में है, हम बचपन से ही सेवा के कार्य करते हुए बड़े होते हैं। खुद को समाजसेवी कहना आसान है, लेकिन वास्तविक समाज कार्य करना अत्यंत मुश्किल है।

गुरुवार को यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर ने बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना चाहें तो सभी द्वार खुल जाते हैं और व्यवस्था बन जाती है, जरूरत है तो सिर्फ लक्ष्य निर्धारित कर उस पर पूरी मेहनत से काम करने की।

शरणजीत कौर महिला विश्वविद्यालय में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रैंस-2024 का शुभारंभ कर रही थीं। महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफैशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ डॉ. शरणजीत कौर ने वी.सी. प्रो. सुदेश के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस 3 दिवसीय सम्मेलन का विषय 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य का योगदान' है।

डॉ. शरणजीत कौर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज कार्य की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने समाज कार्य के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि बेचारगी से विकास संभव नहीं है। हमें चैरिटी को छोड़ते हुए अपना दायरा विस्तृत करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने परिवार, बच्चों व समाज के लिए एक मिसाल हैं।

डॉ. शरणजीत कौर ने डिसेबिलिटी के क्षेत्र में समाज कार्य की भूमिका पर एक गहन चिंतन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें डिसेबिलिटी को स्वीकारते हुए मूल व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा।

जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रो. नीलम शुक्रमणि ने वास्तविक सशक्तिकरण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के बावजूद भी अधिकांश महिलाएं जीवन की दिशा निर्धारण के फैसले अकेले नहीं ले पातीं, इस पर मंथन की आवश्यकता है।

एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई. के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आर.पी. त्रिवेदी ने अपनी एसोसिएशन के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सम्मानित अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

पंजाब केसरी
FRI,25 OCTOBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

हृदयाघात से बचने के लिए अपनाएं स्वस्थ आहार की आदत : डॉ. गुप्ता

गोहाना, 24 अक्तूबर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा धन्वंतरि जयंती एवं 9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में हृदय स्वास्थ्य और ई.डी.सी. पर एक दिवसीय सी.एम.ई. कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंटरवैंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण गुप्ता मुख्य वक्ता रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. वरुण गुप्ता ने हृदयाघात से बचने के लिए पोषक खानपान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें स्वस्थ आहार की आदत अपनानी होगी। उन्होंने भोजन में प्रचुर मात्रा में लो फैट खाद्य सामग्री तथा फल-सब्जियों के प्रयोग, नियमित रूप से व्यायाम करने तथा धूम्रपान से बचने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. वरुण गुप्ता ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव का प्रबंधन आवश्यक है। तनाव से बचने के लिए उन्होंने योग और ध्यान को जीवन शैली का हिस्सा बनाने

चिकित्सकों को संबोधित करते डॉ. वरुण गुप्ता। (अरोड़ा)

तथा सोशल मीडिया का सीमित उपयोग कर सामाजिक जीवन में लोगों से मेल-मिलाप बढ़ाने का सुझाव दिया।

बदलती जीवन शैली एवं खानपान की आदतों के चलते उन्होंने 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को बी.पी., शूगर और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच करवाने तथा इन्हें नियंत्रण में रखने की बात कही।

कार्यक्रम में हृदयाघात की रोकथाम, हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग से संबंधित प्रयोगशाला जांच के सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के प्रिंसीपल डॉ. एस.पी. गौतम, डॉ. ए.पी. नायक और डॉ. विजय कौशिक ने भी विचार व्यक्त किए।

युवा महोत्सव : 10 कॉलेजों की 550 छात्राओं ने दिया अपनी प्रतिभा का परिचय

9 महिला कॉलेजों को पछाड़ राजकीय महिला कॉलेज सोनीपत की टीम ने जीती हरियाणवी गीत प्रतियोगिता

भास्कर न्यूज | राई

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल में युवा महोत्सव का तीसरा दिन भी रंगारंग रहा। 10 महिला कॉलेजों से पहुंची करीब 550 छात्राओं ने अलग-अलग स्टेज पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। गुरुवार को पहले व दूसरे दिन के परिणाम भी घोषित किए गए। जिसमें फॉक सॉन्ग हरियाणवी (सोलो) में राजकीय महिला कॉलेज सोनीपत की टीम प्रथम रही। आईएचएल एवं व यूटीडी खानपुर की टीम दूसरे व तीसरे स्थान पर रही। तीसरे दिन वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर सुदेश एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सीमा ठाकरान की अध्यक्षता में फोक डांस हरियाणवी, सोलो डांस फीमेल (हरियाणवी), आर्केस्ट्रा हरियाणवी, कविता पाठ उर्दू, कविता पाठ इंग्लिश, कविता पाठ हरियाणवी, कार्टून, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट तथा गीत, गजल, भजन का आयोजन किया गया।

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला कॉलेज महिला युवा महोत्सव के संयोजक डॉ. सुनील पंवार ने बताया कि ऑन द स्पॉट पेंटिंग में फर्स्ट जीसीडब्लू मुरथल, द्वितीय जीसीडब्लू गोहाना, तृतीय आरसी खरल जींद, पोस्टर मेकिंग में प्रथम जीसीडब्लू मुरथल , रंगोली में प्रथम जीसी डब्लू मुरथल, द्वितीय जीसीडब्लू सोनीपत, मिमिक्री में प्रथम जीसीडब्लू मुरथल की टीम रही। मंच संचालन का दायित्व डॉ. संजीव, प्रोफेसर ज्योति, डॉ सुशील राठी, डॉ. पूनम, डॉ. अनुप्रिया पूनिया, डॉ. अनुकृति, डॉ रश्मि, डॉ. गीता गोयत एवं डॉ. रवीना पंवार ने किया।

छात्राओं ने प्रस्तुतियों से जमाया रंग

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में युवा महोत्सव यूनिफेस्ट-2024 का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मुरथल स्थित ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे युवा महोत्सव यूनिफेस्ट 2024 का वीरवार को रंगारंग समापन किया गया।

अंतिम दिन छात्राओं ने नृत्य की प्रस्तुतियों से रंग जमा दिया। महोत्सव की अध्यक्षता कुलपति प्रो. डॉ. सुदेश और महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा ठाकरान ने की। प्रतिभागियों ने लघु नाटिका के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर निशाना साधा।

युवा महोत्सव के प्रातःकालीन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में ओएसडी सुनील भारद्वाज, कैबिनेट मंत्री जी.किशन रेड्डी, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल व एजुकेशन सोसाइटी से नरेंद्र कोच, आजाद सरपंच ने शिरकत की। सायंकालीन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से पूर्व डीवाईसी जगबीर राठी, अभिनेता सागर सैनीडॉ. सुषमा जोशी मौजूद रहीं।

पहले दिन के परिणाम

हरियाणवी लोक नृत्य (एकल) : राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत प्रथम, इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग द्वितीय, यूटीडी खानपुर तृतीय स्थान पर रहे।

ऑन द स्पॉट चित्रकला : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल ने प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना ने द्वितीय व क्षेत्रीय केंद्र खरल जींद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय मडलौडा पानीपत द्वितीय और यूटीडी खानपुर तृतीय रहे।

रंगोली प्रतियोगिता : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत द्वितीय व इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग तृतीय रहे।

हिंदी काव्यात्मक पुनर्पाठ : राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना ने पहला, क्षेत्रीय केंद्र खरल जींद ने दूसरा व यूटीडी खानपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चित्रण प्रतियोगिता : राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना ने पहला, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत ने दूसरा, इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक नृत्य (एकल) : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल पहले, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत दूसरे व क्षेत्रीय केंद्र खरल जींद तीसरे स्थान पर रहे।

मिमिक्री : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल प्रथम, इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग द्वितीय रहे।

समूह गीत (जनरल) : यूटीडी

दूसरे दिन के परिणाम

हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता : इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग ने प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय मडलौडा ने द्वितीय, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संस्कृत श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता : राजकीय महाविद्यालय मुरथल पहले, क्षेत्रीय केंद्र खरल जींद एवं इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग दूसरे और राजकीय महिला महाविद्यालय मडलौडा एवं राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना तृतीय स्थान पर रहे।

कोलाज बनाओ प्रतियोगिता : इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत द्वितीय, राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल तीसरे स्थान पर रहा।

मेहंदी प्रतियोगिता : राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल प्रथम, इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग द्वितीय, राजकीय महिला महाविद्यालय मोहाना तृतीय रहे।

क्ले मॉडलिंग : इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल द्वितीय, राजकीय महिला महाविद्यालय मडलौडा तीसरे स्थान पर रहा।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हैं समाज कार्य की अपार संभावनाएं : डॉ शरणजीत कौर

12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

रोहतक, चेतना संवाददाता। जीवन में आगे बढ़ना चाहें तो सभी द्वार खुल जाते हैं और व्यवस्था बन जाती है, जरूरत है तो सिर्फ लक्ष्य निर्धारित कर उस पर पूरी मेहनत से काम करने की। यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ शरणजीत कौर ने बीपीएस महिला विवि में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। महिला विवि के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ शरणजीत कौर ने कुलपति प्रो सुदेश एवं अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य का योगदान है। मुख्य अतिथि डॉ शरणजीत कौर ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि समाज कार्य हमारे खून में है, हम बचपन से ही समाज कार्य करते हुए बड़े होते हैं। उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज कार्य की अपार संभावनाओं पर चर्चा करते हुए समाज कार्य के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि खुद को समाजसेवी कहना आसान है, लेकिन वास्तविक समाज कार्य करना अत्यंत मुश्किल है। डॉ शरणजीत कौर ने कहा कि बेचारगी से विकास संभव नहीं है। हमें चैरिटी को छोड़ते हुए अपना दायरा विस्तृत करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक जिम्मेवारी के साथ कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने परिवार, बच्चों व समाज के लिए एक मिसाल हैं। उन्होंने छात्राओं को जीवन में समय की अहमियत समझते हुए इसका सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ शरणजीत कौर ने डिसेबिलिटी के क्षेत्र में समाज कार्य की भूमिका पर एक गहन चिंतन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें डिसेबिलिटी को स्वीकारते हुए मूल व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश ने इस आयोजन के लिए समाज कार्य विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला विवि अपने आप में जन भागीदारी और समाज कार्य की जीवंत मिसाल है। उन्होंने समाज कार्य में उच्च शिक्षण संस्थाओं की अहम भूमिका को रेखांकित किया तथा कहा कि ये सम्मेलन छात्राओं के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगा। प्रारंभ में आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभागाध्यक्षा डॉ मंजू पंवार ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण में बीपीएस महिला विवि के योगदान की जानकारी दी। एनएपीएसडब्लयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो आर.पी. त्रिवेदी ने अपने संबोधन में एनएपीएसडब्लयूआई के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सम्मानित अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। बतौर वक्ता, जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रो नीलम शुक्रमणि ने वास्तविक सशक्तिकरण की जरूरत पर बल दिया और कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के बावजूद भी अधिकांश महिलाएं जीवन की दिशा निर्धारण के फैसले अकेले नहीं ले पाती, इस पर मंथन की आवश्यकता है।

महिला सशक्तिकरण व सामाजिक कल्याण में योगदान विषय पर सम्मेलन आयोजित

सम्मानित हुई हस्तियों के साथ महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 24 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): जीवन में आगे बढ़ना चाहें तो सभी द्वार खुल जाते हैं और व्यवस्था बन जाती है, जरूरत है तो सिर्फ लक्ष्य निर्धारित कर उस पर पूरी मेहनत से काम करने की। यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर ने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क काफ्रैंस-2024 का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शरणजीत कौर, कुलपति प्रो. सुदेश एवं अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य का योगदान है। मुख्य अतिथि डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि कि बेचारगी से विकास संभव नहीं है। हमें चैरिटी को छोड़ते हुए अपना दायरा विस्तृत करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक जिम्मेवारी के साथ कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने परिवार, बच्चों व समाज के लिए एक मिसाल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की तपोस्थली यह विश्वविद्यालय अपने आप में जन भागीदारी और समाज कार्य की जीवंत मिसाल है। उन्होंने अपने संबोधन में उच्च शिक्षण संस्थाओं की समाज कार्य में अहम भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विश्वविद्यालय की छात्राओं के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगा। आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार, डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण के बाद एनएपीएसडब्लयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो आर.पी. त्रिवेदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएपीएसडब्लयूआई के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सम्मानित अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम संचालन डॉ. दीपाली माथुर द्वारा किया गया।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
25-Oct-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20241025/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 25-10-2024 - 25 Oct 2024 - Page 4

कार्यक्रम युवा महोत्सव में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों ने बाजी मारी

युवा महोत्सव सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में अहम : कुलदीप

राई। पूर्व मार्किट कमेटी चेयरमैन एवं भाजपा नेता कुलदीप नांगल व ओएसडी का स्वागत करते प्राचार्या व युवा महोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कालेज की छात्राएं।

युवा महोत्सव में इन कालेजों की छात्राओं ने बाजी मारी

फॉक सॉन्ग हरियाणवी (सोलो) प्रथम जीसीडब्लू सोनीपत, द्वितीय आईएचएल एवं तृतीय यूटीडी खानपुर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग में फर्स्ट जीसीडब्लू मुरथल, द्वितीय जीसीडब्लू गोहाना, तृतीय आरसी खरल जींद, पोस्टर मेकिंग में प्रथम जीसीडब्लू मुरथल, द्वितीय जीसीडब्लू मटलोदा, तृतीय यूटीडी खानपुर, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम जीसी डब्लू मुरथल, द्वितीय जीसीडब्लू सोनीपत, तृतीय आईएचएल, पोएटिक रेसिटेशन हिंदी में प्रथम जीसीडब्लू गोहाना, द्वितीय आरसी खरल, तृतीय यूटीडी खानपुर, इलुकेशन में प्रथम जीसीडब्लू गोहाना, द्वितीय जीसीडब्लू सोनीपत, तृतीय आईएचएल, क्लासिकल डांस सोलो में प्रथम, जीसीडब्लू मुरथल द्वितीय, जीसीडब्लू सोनीपत तृतीय, आरसी खरल जींद रहा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के तत्वाधान में युवा महोत्सव का धूमधाम से समापन हुआ। समापन समारोह में पूर्व मार्किट कमेटी चेयरमैन एवं भाजपा नेता कुलदीप नांगल व केन्द्र सरकार के कैबिनेट मंत्री के ओएसडी सुनील भारद्वाज ने बतौर मुख्यातिथि व विशिष्ठ अतिथि आरएसएस के जिला पदाधिकारी एवं डा. मनोज राय, नरेन्द्र कोच, आजाद सरपंच, दयान्नद पहलवान, ने शिरकत की। कालेज में पहुंचने पर अतिथियों का कालेज की प्राचार्या सीमा ठाकरान ने स्वागत किया। साय कालीन सत्र में एमडीयू के पूर्व डीआईसी जगबीर राठी , बीडीपीओ मुरथल अंकुर, डायरेक्टर यूथ एंड कल्चरल अफेयर्स डॉक्टर सुषमा जोशी ने शिरकत की। निर्णायक मंडल में डॉक्टर नागेंद्र शर्मा, डायरेक्टर हरियाणा कला परिषद प्रकाश मलिक, ऑब्जर्वर हरियाणा कला परिषद मोहित भारती एक्टर एवं डायरेक्टर, सुनील गुप्ता, डॉक्टर कीर्ति ने शिरकत की। मंच संचालन का दायित्व डॉ संजीव, प्रोफेसर ज्योति, डॉ सुशील राठी, डॉ पूनम, डॉ अनुप्रिया पूनिया, डॉ अनुकृति, डॉ रश्मि, डॉ गीता गोयत, डा. रवीना पवार द्वारा किया गया। भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से प्रतिभाशाली छात्र आगे बढ़ पाते है। महोत्सव से युवाओं की प्रतिभाओं को तराशने का अवसर मिलता है। इस प्रकार के महोत्सव का आयोजन युवाओं में भाईचारे की भावना को बढ़ाने, हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने और समृद्ध बनाने में अपना योगदान देता है। मुख्य आकर्षण का केंद्र डॉक्टर जगबीर राठी की प्रस्तुतियां एवं सागर सैनी की प्रस्तुतियां रही।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 25-10-2024 - 25 Oct 2024 - Page 3

महिला विश्वविद्यालय में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024

ठान लेंगे तो लक्ष्य जरूर पूरा होगा : डॉ. शरणजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अगर मन में ठान लेंगे तो जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। जरूरत केवल सच्ची लग्न व मेहनत के साथ आगे बढने की होती है। यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ शरणजीत कौर ने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिथियों ने कुलपति प्रो. सुदेश के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह तीन दिवसीय सम्मेलन 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य के योगदान विषय पर आधारित रहेगा। मुख्य अतिथि डॉ. शरणजीत कौर कहा कि समाज कार्य हमारे खून में है, हम बचपन से ही समाज कार्य करते हुए बड़े होते हैं। विद्यार्थी समाज कार्य से समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि खुद को समाजसेवी कहना आसान है, लेकिन वास्तविक समाज कार्य करना अत्यंत मुश्किल है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की तपोस्थली यह विश्वविद्यालय अपने आप में जन भागीदारी और समाज कार्य की जीवंत मिसाल है। आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने महिला सशक्तिकरण में भगत फूल सिंह महिला विवि के योगदान की जानकारी दी। एनएपीएसडब्लयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आरपी त्रिवेदी ने एनएपीएसडब्लयूआई के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रो. संजय भट्ट ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रो. नीलम शुक्रमणि ने वास्तविक सशक्तिकरण की जरूरत पर बल दिया।

12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते मुख्य अतिथि डॉ. शरणजीत कौर, कुलपति प्रो. सुदेश एवं अन्य अतिथिगण।

हस्तियों को अवार्ड से नवाजा: सम्मेलन में प्रतिष्ठित हस्तियों को एनएपीएसडब्लयूआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। इनमें भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, डॉ. मंजू बाला जोशी, प्रो. उमा एवं डॉ. ओपी गिरी शामिल रहे। यंग प्रोफेशनल अवार्ड से एंटरप्रेन्योर रवि गुप्ता को सम्मानित किया गया। एनएपीएसडब्लयूआई के कार्यकारिणी सदस्य प्रो केशव वाल्के ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. दीपाली माथुर ने किया।

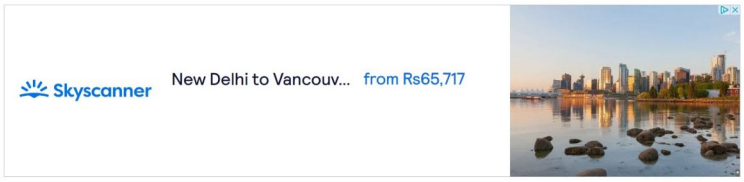

Skyscanner
New Delhi to Vancouv... from Rs65,717

Play / Stop Audio

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हैं समाज कार्य की अपार संभावनाएं- डॉ शरणजीत कौर

12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ।

Girish Saini Oct 24, 2024 09:29

INNOCENT HEARTS SCHOOL
LAUNCHING
INNOKIDS
EARLY
NURTURING CURIOUS

Newspaper

Skyscanner
New Delhi to Vancouver International
from New Delhi
from Rs65,717
Book

We are 600+ family strong
Yours could be next
RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449
HAMPTON HOMES

रोहतक, गिरीश सैनी। जीवन में आगे बढ़ना चाहें तो सभी द्वार खुल जाते हैं और व्यवस्था बन जाती है, जरूरत है तो सिर्फ लक्ष्य निर्धारित कर उस पर पूरी मेहनत से काम करने की। यह उद्गार भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ शरणजीत कौर ने बीपीएस महिला विवि में आयोजित 12वीं इंडियन सोशल वर्क कॉन्फ्रेंस-2024 का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

महिला विवि के समाज कार्य विभाग तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्लयूआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ शरणजीत कौर ने कुलपति प्रो सुदेश एवं अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण में समाज कार्य का योगदान' है।

मुख्य अतिथि डॉ शरणजीत कौर ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि समाज कार्य हमारे खून में है, हम बचपन से ही समाज कार्य करते हुए बड़े होते हैं। उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज कार्य की अपार संभावनाओं पर चर्चा करते हुए समाज कार्य के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि खुद को समाजसेवी कहना आसान है, लेकिन वास्तविक समाज कार्य करना अत्यंत मुश्किल है। डॉ शरणजीत कौर ने कहा कि बेचारगी से विकास संभव नहीं है। हमें चैरिटी को छोड़ते हुए अपना दायरा विस्तृत करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक जिम्मेवारी के साथ कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि वह अपने परिवार, बच्चों व समाज के लिए एक मिसाल हैं। उन्होंने छात्राओं को जीवन में समय की अहमियत समझते हुए इसका सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। डॉ शरणजीत कौर ने डिसेबिलिटी के क्षेत्र में समाज कार्य की भूमिका पर एक गहन चिंतन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें डिसेबिलिटी को स्वीकारते हुए मूल व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश ने इस आयोजन के लिए समाज कार्य विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महिला विवि अपने आप में जन भागीदारी और समाज कार्य की जीवंत मिसाल है। उन्होंने समाज कार्य में उच्च शिक्षण संस्थाओं की अहम भूमिका को रेखांकित किया तथा कहा कि ये सम्मेलन छात्राओं के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगा।

प्रारंभ में आयोजन सचिव एवं समाज कार्य विभागाध्यक्षा डॉ मंजू पंवार ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण में बीपीएस महिला विवि के योगदान की जानकारी दी। एनएपीएसडब्लयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो आर.पी. त्रिवेदी ने अपने संबोधन में एनएपीएसडब्लयूआई के 20 वर्ष के इतिहास एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान सम्मानित अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

बतौर वक्ता, जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रो नीलम शुक्रमणि ने वास्तविक सशक्तिकरण की जरूरत पर बल दिया और कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के बावजूद भी अधिकांश महिलाएं जीवन की दिशा निर्धारण के फैसले अकेले नहीं ले पाती, इस पर मंथन की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट दिग्गज इंद्रा नूयी का उदाहरण भी दिया।

इस सम्मेलन में भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ शरणजीत कौर, डॉ मंजू बाला जोशी, प्रो उमा एवं डॉ ओ.पी. गिरी को एनएपीएसडब्लयूआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। एंटरप्रेन्योर रवि गुप्ता को यंग प्रोफेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. संजय भट्ट ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। एनएपीएसडब्लयूआई के कार्यकारिणी सदस्य प्रो केशव वाल्के ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम संचालन डॉ दीपाली माथुर ने किया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में विषय से संबंधित विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ समाज कार्य से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

Tags: immense possibilities | social work | every sphere of life

RELATED POSTS

डॉ. मंगल सेन जयंती के उपलक्ष्य में एमडीयू में हवन 27 अक्टूबर...

विधि विभाग में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान चलाया

रोहतक जिले में अब तक 4053.23 मीट्रिक टन धान व 3371.65 मीट्रिक...

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

FICO signs MOU with Havells India Ltd for installing 10...

CM bats for incentives for industry of Punjab at par with...

Shivam Saini Wins Prestigious B R Chowdhri Gold Medal at...

वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य की चुनौतियों के दृष्टिगत पब्लिक...

आकांक्षा और रूपल बने सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी समन्वयक

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Wayanad has realised BJP will pave path to development:...

FairPoint: An Indian gets a RAW mask that US wants

The Third Eye: National security is a multi-dimensional...

Gurdas Maan: Punjabi music will never lose its connection...

Can video games help relieve post-traumatic stress symptoms?

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation